बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक का खोला जाना

209. **श्री जनार्दन यादव :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चालू वित्तीय वर्ष के दौरान बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक खोलने संबंधी सरकार की कोई योजना है ;

(ख) यदि हां, तो भागलपुर और बांका जिलों में कितने बैंक कहां-कहां खोले जाने हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति : (क) से (ग) वर्ष 1990–95 के लिये चालू शाखा विस्तार कार्यक्रम (बी०ई०पी०) के अन्तर्गत शाखा खोलने के लिये बैंकों को वर्ष-वार लक्ष्य आवंटित नहीं किये गये थे। तथापि, उपर्युक्त बी०ई०पी० के अन्तर्गत बैंकों द्वारा अपने सेवा क्षेत्र के भीतर पहचान किये गये और विधिवत संस्तुत सम्बद्ध राज्य सरकार के माध्यम से प्राप्त ग्रामीण केन्द्रों में शाखायें खोलने के प्रस्ताव पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गुण-दोषों के आधार पर विचार किया जाता है। इस आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक ने बकों को मार्च, 1992 में ग्रामीण क्षेत्र में अपनी शाखायें खोलने के लिये 264 केन्द्र आबंटित किये हैं। इनमें से 5 केन्द्र बिहार राज्य में थे। भारतीय रिजर्व बैंक के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार बैंकों को बिहार में नीचे दी गई जानकारी के अनुसार 7 ग्रामीण केन्द्रों में अभी अपनी शाखाएं खोलनी है :—

क्रम सं०	बैंक का नाम	जिला	केन्द्र
1.	भारतीय स्टेट बैंक	धनबाद	पूर्वी बसुरिया सुदंडिल परियोजना
2.	यूको बैंक	—तदैव—	
3.	भारतीय स्टेट बैंक	सिंहभूम	तुरमचिल (परचा गांव)
4.	—तदैव—	—तदैव—	जोधेरा
5.	बैंक आफ इंडिया	—तदैव—	कुलडू
6.	बैंक आफ इंडिया	पूर्वी सिंहभूम	मुराधाबुरा
7.	बैंक आफ इंडिया	—तदैव—	मतियांधी

आवंटित केन्द्रों में शाखाओं का खोला जाना उपयुक्त परिसरों की उपलब्धता, सभी मौसम के लिये सड़क, दूर-संचार सुविधा इत्यादि जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के अध्यधीन है।

Effects of liberalisation on the economy

210. **SHRI INDER KUMAR GUJRAL:** Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the recent criticism to the liberalisation measures in the wake of electoral